

કિશ્વેન મુસલમાન હો ગયા

(બીર દીગર 14 મ-દની બહારે)



- ઓફીસર કેસે મુતઅસ્તિર હુવા ?
- ઉજતિમાઅ કી તાંદાદ બહ વઈ
- બુરે અકાઈદ સે તાઈબ હો ગયા
- ખુશ નસીબ ની જવાન



પેસકસ : મખલિસે અલ મદીનતુલ અલમિયા (દા'વતે ઉસ્વામી)
સો'બઅં ઉસ્વામી કુતુબ

مکتبة السنة
મકતા-અતુલ મદીના

સિલેક્ટેડ હાઉસ, અલિક કી મસ્જિદ કે સામને, તીન દરવાજા,
અહમદઆબાદ-1, ગુજરાત, ઈન્ડિયા
Ph: 91-79- 2539 11 68 E-mail : maktabahind@gmail.com
www.dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَمَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

“इमाने अतार” के 9 हुइके की निरुधत से एस रिसाले को पढने की “9 नियतें”

इरमाने मुस्तफ़ा ﷺ : يَا الْمُؤْمِنِينَ خَيْرٌ مِنْ عَمَلِهِ : मुसल्मान की नियत उस के अमल से बेहतर है.

(अल मो'जमुल कबीर वित्तबरानी, अल उदीस:5942, जि.6, स.185)

दो म-दनी इल :

(1) बिगैर अख़री नियत के किसी भी अमले धैर का सवाब नहीं मिलता.

(2) जितनी अख़री नियतें ज़ियादा, उतना सवाब भी ज़ियादा.

(1) हर बार उम्हो

(2) सलात और

(3) तअव्जुज व

(4) तस्मिया से आगाज करूंगा.

(एसी स-इहे के उपर दी हुई दो अरबी एबारात पढ लेने से यारों नियतों पर अमल हो जायेगा)

(5) उत्तल वस्म एस का बा वुजू और

(6) डिब्ला ३ मुतालआ करूंगा www.dawateislami.net

(7) जहां जहां “अल्लाह” का नामे पाक आयेगा वहां عَزَّوَجَلَّ और

(8) जहां जहां “सरकार” का एस्मे मुबारक आयेगा वहां صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ पढ़ूंगा.

(9) दूसरों को येह रिसाला पढने की तरगीब दिलाउंगा.

पहले एसे पढ लीजिये

शैभे तरीकत अभीरे अहले सुन्नत जानिये दा'वते एस्लामी उजरत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद एलयास अतार कादिरि ؓ अपने रिसाले “T.V. की तबाहकारियां” में लिखते हैं :

इअिया इल्ले इरामे देभने वालों की बिदमत में एध्रत के लिये अक हयासोज वाकेआ अर्ज करता हूं : मुजे मक्कअे मुकर्रमा में किसी ने अक पानमां भरबाद लउकी का पत पढने को दिया जिस में मजमून कुए एस तरह था : हमारे घर में T.V. पहले ही से मौजूद था. हमारे अब्बू के हाथ में कुए पैसे आ गये तो इश अेन्टीना भी उठा लाये . अब हम मुल्की इल्लेमें के एलावा गैर मुल्की इल्लेमें भी देभने लगे. मेरी स्कूल की सहेली ने मुजे अक दिन कहा : इलां “येनल” लगाओगी तो सेक्स अपील (SEX APPELE) मनाजिर के मजे लूटने को मिलेंगे. अक बार जब मैं घर में अकेली थी तो वोह येनल ओन कर दिया “जिन्सियात” के मुप्तलिफ़ मनाजिर देभ कर मैं जिन्सी प्वाडिश के सबब आपे से बाहर हो गई, बेताब हो कर झोरन घर से बाहर निकली, एत्तिफ़ाक से अक कार करीब से गुजर रही थी जिसे अक नौ जवान यला रहा

था, कार में कोई और न था, मैं ने उस से लिफ्ट मांगी, उस ने मुझे बिठा लिया....यहां तक के मैं ने उस के साथ “काला मुंड” कर लिया. मेरी बकारत (या’नी कंवारपन) जाईल हो गई, मेरे माथे पर कलंक का टीक लग गया, मैं बरबाद हो गई ! मौलाना साहिब बताईये मुजरिम कौन ?” मैं जुद या मेरे अब्बू के जिन्दों ने घर में पहले T.V. ला कर बसाया और फिर डिश एन्टीना भी लगाया

दिल के झोले जल उठे सीने के दाग से इस घर को आ लग गई घर के यराग से

आह ! इस तरह तो T.V. और V.C.R. और INTERNET पर फिल्में और डिरामे देखने के सबब रोजाना न जाने कितनी धुल्लतें पामाल होती होंगी. न जाने कितने ही नौ जवान लडके और लडकियां दुन्या में ही बरबाद हो जाते होंगे.

(T.V. की तबाहकारियां, स. 24)

भीठे भीठे इस्लामी भाईयो ! इस इब्रतनाक हिकायत से मुआशरे की बहडाली का अन्दाजा लगाया जा सकता है. वाकेई ई जमाना हावात बडी तेजी के साथ तनऊतुली की तरफ बढ़ते ही चले जा रहे हैं. अक तरफ बे अमली का सैलाब अपनी तबाही मया रहा है तो दूसरी तरफ बह अकीदगी के भौंफनाक तूफान की हौलनाकियां बरबादी के भयानक मनाजिर पेश कर रही है. जिदत पसन्दी की रंगीनियां और इरेबकारियां मुस्लिम मुआशरे को टीवी, डिश एन्टीना, केबल नेटवर्क, इन्टरनेट के जरीअे घेरे लुअे हैं. तफरीह और मा’लूमाते आम्मा में ईजाफे के नाम पर येह आवात गलत इस्ते’माल के बाईस बे हयाई को जिस तेजी से इरोग दे रहे हैं, येह किसी पर पोशीदा नहीं.

T.V. पर आनेवाले इह्लाशी व उर्यानी पर मुशतमिल प्रोग्राम्ज के जरीअे मुआशरे के अज्वाकियात तबाह व बरबाद होते देख कर अभीरे अहले सुन्नत رَضِيَ اللهُ عَنْهُ ने उस बे हयाई के सैलाब के आगे बन्द बांधने की भरपूर सअ्य इरमाई. इस सिक्सिले में बाबुल इस्लाम सिन्ध सत्ह पर होने वाले सुन्नतों भरे इजितमाअ में आप رَضِيَ اللهُ عَنْهُ ने T.V. की तबाहकारियों पर इमान अइरोज बयान इरमाया जो अक निज्ज T.V. येनल के जरीअे दुन्या के 100 से जाईह मुमालिक में (बिगैर येहरे के सिई आवाज के जरीअे) सुना गया. इस पुर तासीर बयान को सुनने के बा’द सेंकडों घरों से T.V. निकाल दिया गया. ईलावा अर्जी र-मजानुल मुबारक सिने 1426 डिजरी में जब शैभे तरीकत अभीरे अहले सुन्नत رَضِيَ اللهُ عَنْهُ की रिक्त अंगेज हुआ T.V. पर (बिगैर येहरे के मइज आवाज के जरीअे) बयक वक्त दुन्या के तकरीबन 144 मुमालिक में सुनाई दी तो न सिई पाकिस्तान बल्कि हीगर मुमालिक से भी म-दनी बहारों मौसूल होना शुरूअ हो गई. (तफसील के लिये मक-त-बतुल मदीना का शाअेअ कर्दा रिसाला “T.V. और मूवी” का मुतालआ इरमा लीजिये)

शैभे तरीकत अभीरे अहले सुन्नत हजरत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इत्यास अत्तार कादिरि रजवी जियाई رَضِيَ اللهُ عَنْهُ की जाते मुबारका पर अल्लाह

વ રસૂલ ﷺ का पास करम है. आप ﷺ की शिष्यता में रब
 ने ऐसी तासीर अता फरमाई है के कई गुनाह गार सिर्फ आप के नूरानी येहरे और येहरे
 और सरापा सुन्नत पैकर के दीदार की बरकत से ताईब हो कर नेकियों पर गामजन हो जाते हैं,
 नेकूकारों की रिक्तते कल्मी में ठजाड़ा होता है. आप की सोहबत ईस्लाह आ'माल का जरीआ
 बनती है. यूंके इस पुर कितन दौर में जब मीडिया की तरफ लोगों का रुजडान बढ़ता जा रहा है
 और गुमराह कुन अकाईदो आ'माल पर मब्लनी वीसीडीज की बरमार है. युनान्चे नेकी की
 दा'वत को आम करने के मुकदस जज्बे की बरमार है. युनान्चे नेकीकीदा'वत को आम करने के
 मुकदस जज्बे के तहत मक-त-बतुल मदीना ने पिछले दिनों वीसीडीज की बरमार है. युनान्चे
 नेकीकी दा'वत को आम करने के मुकदस जज्बे के तहत मक-त-बतुल मदीना ने पिछले दिनों दो
 वी.सी.डीज बना "दा'वते ईस्लामी की जल्कियां" और " बैनल अक्वामी ईजितमाअ व
 ईजितमाई अ'तिकाइ" जारी कीं. ﷺ इन के रीलीज होने के चन्द ही दिनों में म-दनी
 बहारें मौसूल होना शुरुअ हो गईं जिन में से 15 बहारें पेशे बिदमत हैं.

शो'बअे ईस्लाही कुतुब मजलिसे अल मदीनतुल ईल्मिया (दा'वते ईस्लामी)

www.dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

दुइटे पाक की इमीलत

शैभे तरीकत, अभीरे अहले सुन्नत, आनिये दा'वते इस्लामी हजरते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अतार कादिरि रजवी जियाई دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ अपने रिसाले “जियाअे दुइटे सलाम” में नकल इरमाते हैं के सरकारे मदीना, सुल्ताने आ करीना, करारे कलबो सीना, इैज गन्जना صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का इरमाने अ-र-कत निशान है : “मुज पर दुइटे शरीफ पढ कर अपनी मजलिस को आरास्ता करो के तुम्हारा दुइटे पाक पढना अरोजे कियामत तुम्हारे लिये नूर होगी.”

(इरदौसुल अम्बार, रकमुल हदीस:3148, जि.3, स.417, तब्आ दारुल कुतुबिल अरबी, बैइत)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(1) क्रिस्थेन मुसलमान हो गया

U.K. (इंग्लेन्ड) के अेक इस्लामी भाई का बयान है के मैं अहोत अरसे से अेक क्रिस्थेन पर इन्डिरादी कोशिश कर रहा था के वोह मुसलमान हो जाअे मगर मुजे काम्याबी नहीं मिल रही थी. इसी दौरान मक-त-अतुल मदीना ने V.C.D. बैनल अकवामी इजितमाअ व इजितमाई अे'तिकाइ जारी की. येह V.C.D. उस क्रिस्थेन को तोहइतन दी गई. उस ने V.C.D. को अपने घर वालों के साथ बैठ कर देआ. वोह V.C.D. देअता गया और उई न समजने के आ वुजूद मअज बैनल अकवामी इजितमाअ और इजितमाई अे'तिकाइ के इह परवर मनाजिर देअ कर और अभीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ के दीदार की अ-र-कत से उस के दिल में इस्लाम की महब्बत उतरती गली गई. आभिरेकार वोह कलिमा पढ कर दाईरअे इस्लाम में दाअिल हो गअे और दा'वते इस्लामी के इजितमाअ में भी शरीक होने लगे. म-दनी माहौल की अ-र-कत से सज्ज सज्ज इमामा शरीफ से इन का सर सज्ज हो गया. वोह आशिकाने रसूल के साथ राडे भुदा عَزَّوَجَلَّ में सइर करने वाले म-दनी काइले के मुसाइर भी अने.

अल्लाह करम अैसा करे तुज पे जहां में

अै दा'वते इस्लामी तेरी धूम मयी हो

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(2) ओइसर कैसे मुतअसिर हुवा.....?

मर्कुल औलिया लाहौर (पाकिस्तान) के मुकीम इस्लामी भाई के बयान का लुब्बे लुबाअ है के मैं पाकिस्तान मिड्ट्री अेकाउन्टस डिपार्टमेन्ट में 16वें ग्रेड ओइसर के ओहदे पर काम कर रहा हूं. र-मजानुल मुबारक की आमद पर मैं ने अपने 20वीं ग्रेड के ओइसर को दा'वते इस्लामी के तहत होने वाले इजितमाई अे'तिकाइ के लिये छुट्टियों की दरज्वास्त पेश की जो उस ने मुस्तरद कर दी. मैं यूंके शैभे तरीकत अभीरे अहले सुन्नत हजरत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अतार कादिरि रजवी जियाई دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ से मुरीद हूं. जिन का दरे दौलत आबुल मदीना करायी में है. लिहाजा मुजे आबुल मदीना की याद ने तउपाया तो मैंने

ર-મઝાનુલ મુબારક કે આખિરી ૫ દિન કી છુટ્ટી કી દરખવાસ્ત પેશ કર દી કે મુઝે બાબુલ મદીના (કરાચી) જાના હૈ. હમારા ઓફિસર ઇન્તિહાઈ તન્કીદી ઝેહન કા માલિક થા. ખાસ તૌર પર મઝહબી લોગોં કો નિશાના બનાના, ઉન કી તઝલીલ કરના, ઝિડકના ઉસ કા વતીરા થા. ઉસ ને દરખવાસ્ત દેખ કર તઅજજુબ સે પૂછા : “કરાચી મેં ઐસા ક્યા હૈ જો તુમ ઈદ કે અચ્યામ ઘરવાલોં સે દૂર રહ કર વહાં ગુઝારના ચાહતે હો?” મેં ને જાન છુડાતે હુએ ઈતના કહા કે વાપસ આ કર બતાઉંગા.

જબ મેં બાબુલ મદીના કી બહારેં લૂટ કર વાપસ પહોંચા તો મેરે સાથ મક-ત-બતુલ મદીના સે જારી હોને વાલી બૈનલ અકવામી ઈજિતમાઅ વ ઈજિતમાઈ એ’તિકાફ નામી ચન્દ વીસીડીઝ¹ ભી થીં. ઉન મેં સે એક V.C.D. મેં ને અપને ઈસ ઓફિસર કો ભી પેશ કી. અગલે દિન જબ મેં ઓફિસર ને મુઝે અપને કમરે મેં બુલાયા ઓર અપને સામને વાલી કુર્સી પર બૈઠને કા ઈશારા કિયા. ઈસ ઈઝ્ઝત અફઝાઈ પર મેં બહોત હૈરાન હુવા ક્યૂંકે આમ તૌર પર વોહ ઓફિસ કે લોગોં કો અપને સામને બિઠાના પસન્દ નહીં કરતા થા. બહર હાલ મેં કુર્સી પર બૈઠ ગયા. આજ ઈસ કા લહજા ઈન્તિહાઈ નર્મ ઓર બિરાદરાના થા. ઉસ ને તકરીબન ૨૫ મિનટ તક મુઝ સે દા’વતે ઈસ્લામી કે બારે મેં સુવાલાત કિયે જિન કે મેં ને અપની મા’લૂમાત કે મુતાબિક જવાબાત દિયે ઓર ઉસે દા’વતે ઈસ્લામી ઓર અમીરે અહલે સુન્નત دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ કી અઝીમ દીની ખિદમાત કે બારે મેં બતાયા. ઉસ ને કહા : “મેં ને વોહ V.C.D. દેખી હૈ, મેં બહોત મુતઅસ્સિર હુવા હૂં કે ઈતને મુખ્તસર સે અરસે મેં ઈસ કદર તરક્કી, યેહ કોઈ મા’મૂલી બાત નહીં, દા’વતે ઈસ્લામી વાલે વાકેઈ બહોત અઝીમ કામ કર રહે હૈં.” ફિર ઉસ ને ઉસી વક્ત દા’વતે ઈસ્લામી કે બૈનલ અકવામી ઈજિતમાઅ મેં જાને કે લિયે મેરી છુટ્ટિયાં ભી મન્જૂર કર લીં ઓર ઓફિસ કી મસ્જિદ કી ખિદમાત ભી અહલે સુન્નત કો સોંપ દીં.

**દા’વતે ઈસ્લામી કી કચૂમ દોનોં જહાં મેં મય જાએ ધૂમ
ઈસ પે ફિદા હો બચ્યા બચ્યા યા અલ્લાહ عَزَّوَجَلَّ મેરી ઝોલી ભર દે**

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(3) સર પર ઈમામે કા તાજ સજા લિયા

સાઉથકોરિયા (South Korea) કે એક ઈસ્લામી ભાઈ કા કુછ ઈસ તરહ બયાન હૈ કે પહલે પહલે મેં મા’લૂમાત ન હોને કી વજહ સે બદ અકીદા લોગોં કી એક જમાઅત સે કાફી મુતઅસ્સિર થા ઓર ગલત ફહમી કે બાઈસ ઉન્હેં દીને ઈસ્લામ કે હકીકી ખુદામ તસવ્વુર કરતા થા. મેરી દુરુસ્ત રહનુમાઈ કી તરકીબ ઈસ તહ બની કે 27 વીં શબે ર-મઝાન સિને 1428 હિજરી કો ફૈઝાને મદીના (કોરિયા) મેં ઈજિતમાઈ એ’તિકાફ કે દૌરાન બૈનલ અકવામી ઈજિતમાઅ વ ઈજિતમાઈ એ’તિકાફ નામી V.C.D. દિખાઈ ગઈ. જિસ મેં મદીનતુલ ઓલિયા મુલ્તાન શરીફ મેં હોને વાલે દા’વતે ઈસ્લામી કે બૈનલ અકવામી સુન્નતોં ભરે ઈજિતમાઅ ઓર દા’વતે ઈસ્લામી કે આલમી મ-દની મર્કઝ ફૈઝાને મદીના બાબુલ મદીના કરાચી મેં હોને વાલે ઈજિતમાઈ એ’તિકાફ કી ઝલ્કિયાં પેશ કી ગઈ થીં ઈસ V.C.D. મેં દિખાઈ જાને વાલે

मनाज़िर देख कर मैं दंग रह गया के दा'वते ईस्लामी ही वोह तहरीक है जो आलमगीर पैमाने पर तब्दीगे कुरआनो सुन्नत की अज़ीम जिदमत सर अन्जाम दे रही है. और उज के बा'द मुसल्मानों का सब से बडा ईजितमाअ मदीनतुल औलिया मुस्तान में होता है. मैं दा'वते ईस्लामी की मिसाली कारकईगी से बेहद मुतअस्सिर हुवा, اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ बह अकीदा लोगों की महब्बत दिल से निकल गई और मैं ने सभ्ज सभ्ज ईमामे का ताज अपने सर पर सजा लिया.

मकबूल जहां भर में हो दा'वते ईस्लामी
सदका तुझे औ रब्बो गइइर मदीने का

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٌ

(4) गुनाहों से तौबा कर ली

मर्जुल औलिया (पाकिस्तान) के अेक ईस्लामी भाई का बयान है के اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ मुजे दा'वते ईस्लामी के बैनल अक्वामी ईजितमाअ के बा'द हाथों हाथ 12 दिन के म-दनी काइले में आशिकाने रसूल के साथ सइर की सआदत हासिल हुई. हमारा म-दनी काइला मर्जुल औलिया के अलाके लियाकतआबाद कोट लखपत की जामेअ मस्जिद गौसिया में हाज़िर हुवा. वहां मेरी अेक नौ जवान ईस्लामी भाई से मुलाकात हुई जिस ने कुछ यूं बयान किया : “बैनल अक्वामी ईजितमाअ से पहले मैं ने अपने अलाके में होने वाले V.C.D. ईजितमाअ में शिर्कत की. अभीरे अहले सुन्नत اَمَّتْ بَرَكَاتُهُمْ اَلْعَالِيَهُ की रिक्त अंगेज हुआये र-मजान सुन कर मैं बहोत मुतअस्सिर हुवा और बैनल अक्वामी ईजितमाअ के मनाज़िर देख कर ईजितमाअ में शिर्कत का भी जेहन बना. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ मैं बैनल अक्वामी ईजितमाअ में शरीक हुवा. वहां पर भौंके पुदा और ईशके मुस्तइ से मा'मूर बयानात सुन कर मुजे गुनाहों से तौबा की तौफ़ीक मिली और मैं ने नमाज़ों की पाबन्दी की निख्यत भी की. जब मैं ईजितमाअ में शिर्कत के बा'द घर पहोंया तो नमाजे इज में उठने के लिये ईलार्म लगाया तो मेरी अहलिया केहने लगी के اِنَّ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ मैं भी आप के साथ बेदार हो कर नमाजे इज अदा करूंगी. मैं ने अपने येहरे पर भीठी भीठी सुन्नत दाढी शरीफ़ भी सजा ली है. मैं अपनी चिकन शोप पर खरीदारी के लिये आने वाले ईस्लामी भाईयों पर ईन्डिरादी कोशिश करता हूं. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ इस ईन्डिरादी कोशिश की ब-र-कत से 2 ईस्लामी भाई म-दनी काइले में सइर की सआदत पा चुके हैं. मेरी खुश नसीबी की मे'राज देखिये के मैं अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के वली, अभीरे अहले सुन्नत اَمَّتْ بَرَكَاتُهُمْ اَلْعَالِيَهُ के हाथों मुरीद हो कर अतारी भी बन चुका हूं. कुछ अरसे बा'द मेरे कजिन की शादी है. मेरी ख्वालिश है के इस की शादी के मौकअ पर V.C.D. ईजितमाअ की तरकीब बनाडिं.”

अल्लाह करम ऐसा करे तुज पे जहां में
औ दा'वते ईस्लामी तेरी धूम मयी हो

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٌ

(5) आरों कितार रोंने लगे

हिनद (म-दनी) काबीना के निगरान का कुछ यूं बयान है “बैनल अक्वामी इज्तिमाअ व इज्तिमाई अे’तिकाइ” नामी V.C.D को पाकिस्तान के साथ साथ हिनद में भी रिलीज किया गया और हाथों हाथ V.C.D इज्तिमाआत किये गये जिन में कसीर ता’दाद में इस्लामी भाई शरीक हुये. जब V.C.D में अल वदाये र-मजान के रिक्त आमेज मनाजिर दिजाये गये तो इज्तिमाअ में शरीक अक्सर इस्लामी भाई अपने जज्बात पर काबू न रख सके और आरों कितार रोंने लगे. हम ने महसूस किया के इन इज्तिमाआत के बा’द इस्लामी भाईयों की दा’वते इस्लामी से महब्बत में इजाइा हो गया है जिन से म-दनी कामों को मदीने के 12 खांद लग गये हैं.

नबी صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ की महब्बत में रोंने का अ-दाज
तुम आ जाओ सिखलायेगा म-दनी माहौल
صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(6) नमाजी बन गये

डोंगकोंग के जिम्मादार इस्लामी भाई का बयान है के जब V.C.D “बैनल अक्वामी इज्तिमाअ व इज्तिमाई अे’तिकाइ” बाबुल मदीना कराची से रिलीज की गई तो डोंगकोंग के हस्तावार सुन्नतों भरे इज्तिमाअ में भी इस का अे’दान किया गया युनान्हे तकरीबन 30 घरानों ने येह V.C.D इन्टरनेट के जरीअे दा’वते इस्लामी की वेब साईट पर देभी और दा’वते इस्लामी की म-दनी कारकईगी से बहोत मुतअस्सिर हुये. इस V.C.D को देखने के बा’द 12 इस्लामी भाईयों ने नमाज पढना शुरू कर दी और दा’वते इस्लामी के हस्तावार सुन्नतों भरे इज्तिमाअ में भी पाबन्दी से शरीक होने लगे. أَلْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ कई इस्लामी भाई म-दनी काईले के मुसाइर भी बने.

नमाजें जो पढते नहीं हैं उन को ला रैब
नमाजी है देता बना म-दनी माहौल
صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(7) शुरकाये इज्तिमाअ की ता’दाद बढ गई

बाबुल मदीना कराची के डिवीजन निगाहे मुर्शिद के इस्लामी भाई के बयान का खुलासा है के दा’वते इस्लामी के बैनल अक्वामी सुन्नतों भरे इज्तिमाअ (1428) की तारीख जैसे जैसे करीब आ रही थी मेरी तश्वीश में इजाइा होता जा रहा था. मुल्की हादात के पेशे नजर मुझे खदशा था के शायद हमारे डिवीजन से इस मरतबा बैनल अक्वामी इज्तिमाअ में शुरका की ता’दाद काई कम होगी. जैसे में येह खुश खबरी मिली के मक-त-बतुल मदीना ने दा’वते इस्लामी के बैनल अक्वामी सुन्नतों भरे इज्तिमाअ और इज्तिमाई अे’तिकाइ की V.C.D रिलीज कर दी है. हम ने हाथों हाथ V.C.D इज्तिमाअ की तरकीब बनाई. أَلْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ V.C.D इज्तिमाअ की ब-र-कत से हमारे डिवीजन से कमो बेश 500 से आईद इस्लामी भाई बैनल

અક્વામી ઈજિતમાઅ મેં શરીક હુએ.

अल्लाह करम ऐसा करे तुज पे जहां में
ऐ दा'वते इस्लामी तेरी धूम मयी हो
صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(8) બુરે અકાઈદ સે તાઈબ હો ગયા

સૂબા પંજાબ (પાકિસ્તાન) કે એક ઈસ્લામી ભાઈ કા કુછ યૂં બયાન હૈ કે બદ અકીદા લોગોં મેં ઉઠને બૈઠને કી વજહ સે મેં અકાઈદે અહલે સુન્નત કે બારે મેં શુકૂક વ શુબહાત કા શિકાર હો ચુકા થા. શુકૂક વ શુબહાત કે બાદલ ઈસ તરહ છટે કે ૨-મઝાનુલ મુબારક કે આખિરી અશરે કી આમદ આમદ થી. એસે મેં સબ્જ સબ્જ ઈમામોં કા તાજ સજાને વાલે કુછ ઈસ્લામી ભાઈયોં ને મુઝ પર ઈન્ફિરાદી કોશિશ કી ઓર મુઝે દા'વતે ઈસ્લામી કે ઈજિતમાઈ એ'તિકાફ મેં શિકત કી દા'વત પેશ કી. ઈન કે ખુલૂસ કો દેખતે હુએ મેં ને હામી ભર લી ઓર એ'તિકાફ મેં બૈઠને કે લિયે ગુલઝારે તયબા (સરગોધા) હાઝિર હો ગયા. દૌરાને એ'તિકાફ મેં કજ બહસી કે ઝરીએ મો'તકિફીન કો પરેશાન કરતા રહા. ૨-મઝાનુલ મુબારક જબ એક દો દિન કા મહમાન રહ ગયા ઈસ્લામી ભાઈયોં ને મુઝે હઝરત અલ્લામા મૌલાના અબૂ બિલાલ મુહમ્મદ ઈલ્યાસ અત્તાર કાદિરી دامت بركاتهم اجمعين કી અલ વદાએ ૨-મઝાન ઓર બૈનલ અક્વામી ઈજિતમાઅ વાલી V.C.D. દિખાઈ. જબ મેં ને અલ વદાએ ૨-મઝાન કે રિક્કત અંગેઝ મનાઝિર દેખે તો મેરે દિલ કી દુન્યા બદલ ગઈ ઓર મેં ને સચ્ચે દિલ સે તમામ ગુનાહોં ઓર બુરે અકાઈદ સે તૌબા કી ઓર અમીરે અહલે સુન્નત دامت بركاتهم اجمعين કે દામન સે વાબસ્તા હો કર અત્તારી ભી બન ગયા.

यकीनन मुकदर का वोह है सिकन्दर
ખૈર સો જિસો મિલ ગયા મ-દની માહૌલ
صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(9) મ-દની કાફિલા કોર્સ કે લિયે તૈયાર હો ગએ

ડેરા ઈસ્માઈલ ખાન (સરહદ) કે એક ઈસ્લામી ભાઈ કા કુછ યૂં બયાન હૈ : મદ્ર-સતુલ મદીના મિડયાલી મેં ઈજિતમાઈ એ'તિકાફ કે દૌરાન V.C.D. ઈજિતમાઅ ક્રિયા ગયા. બૈનલ અક્વામી ઈજિતમાઅ ઓર ઈજિતમાઈ એ'તિકાફ કે ઈમાન અફરોઝ મનાઝિર દેખ કર શુરકા બહોત મુતઅસ્સિર હુએ. અલ વદાએ ૨-મઝાન કે રિક્કત આમેઝ મનાઝિર દેખ કર તો રોને લગે. الحمد لله عَزَّوَجَلَّ ઈજિતમાઅ કે ઈખ્તિતામ પર કઈ ઈસ્લામી ભાઈયોં ને અપને સર પર ઈમામા સજા લિયા, દાઢી શરીફ ભી ચેહરોં પર સજાને કી નિચ્ચતેં ભી કીં. કઈ ઈસ્લામી ભાઈ મ-દની કાફિલા કોર્સ કે લિયે તૈયાર હો ગએ. બા'ઝ ઈસ્લામી ભાઈયોં પર તો એસી રિક્કત તારી હુઈ કે ઉન્હોં ને વોહ રાત ઈબાદત મેં ગુઝારી. الحمد لله عَزَّوَجَلَّ કસીર ઈસ્લામી ભાઈયોં ને ઈદ કે દિન આશિકાને રસૂલ કે સાથ મ-દની કાફિલોં મેં સફર ઈખ્તિયાર ક્રિયા.

मकबूल जहां भर में हो दा'वते इस्लामी
सदका तुझे औ रूबो गइंइर मदीने का

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(10) पुश नसीब नौ जवान

सूबा पंजाब (पाकिस्तान) के शहर शैम्पूरा के इस्लामी भाई के बयान का जुलासा है के हमारे शहर में V.C.D. इज्तिमाअ की तरकीब बनाई गई जिस में कसीर इस्लामी भाई शरीक हुअे. इन शुरका में दो ऐसे नौ जवान भी मौजूद थे जो के केशन के दिलदादा और इन्तिहाई मोडर्न थे. V.C.D. देख कर उन के दिल में म-दनी इन्किलाब बरपा हो गया. युनान्ये उन्हों ने साबिका गुनाहों से तौबा की और दा'वते इस्लामी के सुन्नतों तरे इज्तिमाअ में पाबन्दी से शरीक होने लगे. कुछ ही अरसे में उन के यहरों पर सुन्नत के मुताबिक दाढी शरीफ़ दिभाई देने लगी और सर पर सब्ज इमामा शरीफ़ का ताज भी सज गया. اَلْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ आज वोह दोनों इस्लामी भाई आशिकाने रसूल के हमराह नेकी की दा'वत की धूमें मयाने में मस्रूफ़ हैं.

ईसी माहौल ने अदना को आ'ला कर दिया देषो

अंधेरा ही अंधेरा था उजाला कर दिया देषा

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(11) आंजों से आंसू जारी हो गये

मर्कुल औलिया लाहौर (पाकिस्तान) के अक अलाके जलूमोड (मुगलपूरा) में होने वाले इज्तिमाई अ'तिकाइ में जब V.C.D. इज्तिमाअ किया गया तो उस में दिभाअे गअे इज्तिमाई अ'तिकाइ के पुर बहार मनाजिर और अल वदाअे र-मजान का पुर सोज अन्दाज देख कर इस्लामी भाईयों की आंजों से आंसू जारी हो गअे. जब V.C.D. इज्तिमाअ खत्म हुवा तो कई इस्लामी भाईयों ने हाथों हाथ सब्ज सब्ज इमामा शरीफ़ से अपने सर सब्ज कर लिये और दाढी रखने की भी नियत की.

दा'वते इस्लामी की कयूम दोनों जहां में मय जाअे धूम

ईस पे किदा हो बरया बरया या अल्लाह عَزَّوَجَلَّ मेरी जाली तर दे

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

(12) इज्तिमाअ में शरीक हो गये

अक इस्लामी भाई का बयान कुछ यूं है के मैं तवील अरसे से अक शप्सियत पर इन्किरादी कोशिश कर रहा था मगर वोह गलत इलमियों के बाईस मुज से तरह तरह के सुवालात करते जिन के जवाबात देने की मैं अपनी सी कोशिश करता मगर वोह मुत्मईन न होते. इतने में मक-त-बतुल मदीना ने बैनल अकवाभी इज्तिमाअ व इज्तिमाई सुन्नते अ'तिकाइ की V.C.D. जारी की. मैं ने वोह V.C.D. ईस शप्सियत को देखने के लिये दी. मैं ईस बात पर हैरान हूं के तवील अरसे कोशिश के बा वुजूद मैं जिन्हें मुत्मईन न कर सका वोह ईस को देख कर इतना मुतअस्सिर हुअे के न सिर्फ़ इज्तिमाअ में शरीक हुअे बल्के सब्ज सब्ज इमामे का ताज भी अपने सर पर सज लिया.

तुम दा'वते ईस्लामी को जानते हो
ईजाने मदीना है ईजाने मदीना है
(13) सीट केन्सल करवा दी

सूबा पंजाब (पाकिस्तान) के एक ईस्लामी भाई के बयान का खुलासा है के हमारे अलाके के एक ईस्लामी भाई की बैरने मुल्क जाने की सीट बुक हो चुकी थी. इस दौरान उन्होंने अलाके में होने वाले V.C.D. इजतिमाअ में शिरकत की. اِنْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ इस V.C.D. को देख कर उन्हें बैनल अक्वामी सुन्नतों (मरे इजतिमाअ में शिरकत का ऐसा जज़्बा मिला के उन्होंने अपनी सीट केन्सल करवा दी और बैनल अक्वामी सुन्नतों (मरे इजतिमाअ में जाने के लिये अपना किराया हाथों हाथ जिम्मादारान को जम्न करवा दिया और اِنْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ इजतिमाअ में शरीक भी हुआ.

भुरी सोडभतों से कनाराकशी कर और अखणो के पास आके पा म-दनी माडौल
तुम्हें लुफ़ आ जायेगा जिन्दगी का करीब आ के देखो जरा म-दनी माडौल

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٌ

(14) म-दनी माडौल से वाबस्ता हो गया

सूबा पंजाब (पाकिस्तान) के एक ईस्लामी भाई का बयान है के मैं मुआशरे का बिगडा हुआ नौ जवान था और दिन ब दिन गुनाहों के दलदल में धंसता ही चला जा रहा था. मेरी ईस्लाह की सूरत इस तरह बनी के हमारे अलाके में दा'वते ईस्लामी के जिम्मादारान ने V.C.D. इजतिमाअ की तरकीब बनाई. मैं भी इस V.C.D. इजतिमाअ में शरीक हुआ. जब मैं ने दा'वते ईस्लामी के बैनल अक्वामी सुन्नतों (मरे इजतिमाअ के रूह परवर मनाजिर देखे तो बहोत मुतअस्सिर हुआ और जब 27वीं शबे 2-मजान को होने वाले अभीरे अहले सुन्नत دَائِمَةُ بَرَكَاتِكُمْ يَا نَبِيَّ के रिक्त अंगेज बयान का कुछ हिस्सा सुना तो मुझे अपने साबिका अन्दाजे जिन्दगी से वडशत मडसूस होने लगी, जूं जूं बयान सुनता गया मेरे दिल की दुन्या बदलती चली गई. बिल आभिर मैं ने अपने तमाम गुनाहों से तौबा की और दा'वते ईस्लामी के म-दनी माडौल से वाबस्ता हो गया. इस वक्त मैं अपने हलके में जैली मुशावरत के निगरान की हैसियत से नेकी की दा'वत की धूमें मयाने की कोशिश में मस्रूफ़ हूं.

अताओ उबीबो भुदा म-दनी माडौल
है ईजानो गौसो रजा म-दनी माडौल
सलामत रहे या भुदा म-दनी माडौल
भयो नजरे बह से सदा म-दनी माडौल
संवर जायेगी आभिरत اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ
तुम अपनाओ रभो सदा म-दनी माडौल

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٌ

(15) मस्जिद बनाने की गिथत कर ली

मर्कजुल औलिया लाहौर (पाकिस्तान) के अक ईस्लामी भाई का बयान है के अलाके सभ्जालार में अक मैदान में V.C.D. ईजितमाअ मुन्अकिद किया गया. अल वदाअे २-मजान के पुर सोज मनाजिर देष कर शुरकाअे ईजितमाअ रोने लगे. जब ईजितमाअ ईजितताम को पडोंया तो اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ अडले मडल्ला ईतने मुतअस्सिर डो युके थे के उन्डों ने ईस मैदान के करीब मस्जिद बनाने का अे'लान कर दिया.

अल्लाह करम अैसा करे तुज पे जहां में

अै दा'वत ईस्लामी तेरी धूम मयी डो

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٌ

ईमान की हिफाअत

भीठे भीठे ईस्लामी भाईयो ! اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ डम मुसल्मान हैं और अक मुसल्मान के लिये उस की सभ से कीमती मताअ उस का ईमान है. उस की डिफाअत की इक डमें दुन्यावी अश्या से कहीं जियादा डोनी याडिये. ईमामे अडले सुन्नत, अजीमुल ब-२-कत, मुजदिदे दीनो मिल्लत आ'ला डजरत अशशाड मौलाना अडमद रजा पान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن का ईशाद है : उ-लमाअे किराम इरमाते हैं जिस को (जिन्दगी में) सलबे ईमान का षौइ नही डोता, नज्अ के वक्त उस का ईमान सलब डो जाने का शदीद षतरा है.

(अल मड्कज, डिस्सा:4, स-इडा:390, डामिद अेन्ड कम्पनी मर्कजुल औलिया लाहौर)

भीठे भीठे ईस्लामी भाईयो ! नेक आ'माल पर ईस्तिकामत के ईलावा ईमान की डिफाअत का अक जरीआ किसी “मुशिदे कामिल” से बैअत डो जाना भी है.

बैअत का सुबूत : अल्लाह عَزَّوَجَلَّ कुरआने पाक में ईशाद इरमाता है.

يَوْمَ نَدْعُوا كُلَّ أُنَاسٍ بِإِمَامِهِمْ ۝

तर्जमअे क-जुल ईमान: जिस दिन डम डर जमाअत को उस के ईमाम के साथ बुलाअेंगे.

(पा.15, बनी ईस्राईल:71)

तइसीरे नूरुल ईरफान में डकीमुल उम्मत मुइती अडमद यार पान नईमी عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن ईस आयते मुबारका के तडत लिषते हैं “ईस से मा'लूम डुवा के दुन्या में किसी सालेड को अपना ईमाम बना लेना याडिये शरीअत में “तकलीद” कर के, और तरीकत में “बैअत” कर के, ताके डशर अख्शों के साथ डो. अगर सालेड ईमाम न डोगा तो उस का ईमाम शैतान डोगा. ईस आयत में तकलीद, बैअत और मुरीदी सभ का सुबूत है.”

प्यारे ईस्लामी भाईयो ! याद रषिये के किसी को अपना पीर बनाने के लिये यार शराईत का लिडाल ईन्तिडार्थ जइरी है. युनान्ये ईमामे अडले सुन्नत, मुजदिदे दीनो मिल्लत अशशाड मौलाना अडमद रजा पान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن इतावा २-जविष्या जिल्द 21 स-इडा 603 पर पीर की शराईत कुछ यूं तडरीर इरमाते हैं :

(1) सहीहुल अकीदा सुन्नी हो.

(2) धतना धल्म रभता हो के अपनी ज़रियात के मसाधल किताबों से निकाल सके.

(3) फ़ासिके मो'लिन न हो (अक बार गुनाहे कबीरा करने वाला या गुनाहे सगीरा पर धस्तर करने वाला या'नी तीन या उस से ज़ियादा करने वाला या सगीरा को सगीरा समज कर अक बार करने वाला फ़ासिक होता है और अगर अलल अ'लान करे तो फ़ासिके मो'लिन है.)

(4) धस का सिस्लिलअे बैअत नबिये करीम ﷺ तक मुत्तसिल (या'नी मिला हुवा) हो.

भीठे भीठे धस्लामी भाधयो ! आज के पुर इतन दौर में पीरी मुरीदी का सिस्लिलवा वसीअ तर ज़र है, मगर ज़ामेअे शराधत पीर अगर नायाब नहीं तो कमयाब ज़र हैं. लेकिन येह अल्लाह عزّوجلّ का फ़ास करम है ! के वोह हर दौर में अपने ध्यारे मडभूब ﷺ की उम्मत की धस्लाह के लिये अपने औलियाअे किराम ﷺ को पैदा इरमाता है. जो अपनी मोमिनाना छिक्मत व इरसत के ज़रीअे लोगों में अपनी और सारी दुन्या के लोगों की धस्लाह की कोशिश का मुकदस ज़ूबा बेदार करने की सअ्य इरमाते हैं. जिस की अक मिसाल कुरआनो सुन्नत की आलमगीर गैर सियासी तहरीक दा'वते धस्लामी का म-दनी माहौल हमारे सामने है. जिस के अभीर, भानिये दा'वते धस्लामी, अभीरे अडले सुन्नत अबू बिलाल हजरत अल्लामा मौलाना मुहम्मद धल्यस अतार कादिरि रजवी دامت برکاتهم العالیه हैं, आप की सअ्ये पैहम ने लाफ़ों मुसल्मानों बिल्पुसूस नौ जवानों की जिन्दगियों में म-दनी धन्किलाब भरपा कर दिया.

आप دامت برکاتهم العالیه कुत्बे मदीना ખलीफ़अे आ'ला हजरत हजरते सय्यिदुना ज़ियाउद्दीन म-दनी رحمة الله تعالى عليه के मुरीद और मुइतीअे आ'जम पाकिस्तान हजरते मुइती वकारुद्दीन कादिरि رحمة الله تعالى عليه के ખलीफ़ा हैं. (आप को शारेहे बुખारी, इकीअे आ'जमे हिन्द मुइती शरीफ़ुल हक अमजदी رحمة الله تعالى عليه ने सलासिले अरबआ कादिरिय्या, यिशितिय्या, नकशबन्दि्या और सोहरवर्दि्या की ખिलाइत व कुतुबो अहादीस वगैरा की धज्जत भी अता इरमाध है, जानशीने सय्यिदी कुत्बे मदीना हजरत मौलाना इज़्लुर्रहमान साहिब अशरफ़ी رحمة الله تعالى عليه ने भी अपनी ખिलाइत और हासिल शुदा असानीद व धज्जत से नवाजा है. दुन्याअे धस्लाम के और भी कध अकाबिर उलमा व मशाधफ़ से आप को ખिलाइत हासिल है.)

अभीरे अडले सुन्नत دامت برکاتهم العالیه सिस्लिलअे आलिय्या कादिरिय्या र-जविय्या में मुरीद करते हैं और कादिरि सिस्लिले की अजमत के तो क्या केहने के उस के अजीम पेशवा हुज़ूर सय्यिदुना गौसुल आ'जम رحمة الله تعالى عليه कियामत तक के लिये (अ इज़्ले फ़ुदा عزّوجلّ) अपने मुरीदों के तौबा पर मरने के ज़ामिन हैं.

(अधजतलु अस्सर, स. 191, मल्बूआ दारुल कुतुबिल धल्मिय्या, बैइत)

म-दनी भश्वरा : जो किसी का मुरीद न हुवा उस की ખिदमत में म-दनी भश्वरा है ! के उस ज़माने के सिस्लिलअे आलिय्या कादिरिय्या र-जविय्या के अजीम बुज़ुर्ग़ शैखे तरीकत अभीरे

अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ के वुजूदे मस्जिद को गनीमत जानते हुअे बिना तापीर उन का मुरीद हो जाअे. यकीनन मुरीद होने में नुकसान का कोई पहलू ही नहीं, दोनों जहां में إِن شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ ईर्ष्या ही ईर्ष्या है.

शैतानी रुकावट : मगर येह बात जेहन में रहे ! यूं के अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ के जरीअे हुजूर गौसे पाक رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ का मुरीद बनने में ईमान के तहफ्फुज, मरने से पहले तौबा की तौफीक, जहन्नम से आजादी और जन्नत में दाखिले जैसे अजीम मनाइअे मुतवक्केअे हैं. लिहाजा शैतान आप को मुरीद बनने से रोकने की भरपूर कोशिश करेगा. आप के दिल में ખयाल आअेगा, मैं जरा मां बाप से पूछ लूं, दोस्तों का भी मशवरा ले लूं, जरा नमाज का पाबन्द बन जाऊं, अन्बी जल्दी क्या है, जरा मुरीद बनने के काबिल तो हो जाऊं, फिर मुरीद भी बन जाऊंगा. मेरे प्यारे ईस्लामी भाई ! कहीं काबिल बनने के ईन्तिजार में मौत न आ संभावे, लिहाजा मुरीद बनने में तापीर नहीं करनी याहिये.

शजरे अत्तारिया : أَلْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ ने अेक बडोत ही प्यारा “शजरे शरीफ” भी मुरतब इरमाया है. जिस में गुनाहों से बचने के लिये, काम अटक जाअे तो उस वक्त, और रोजी में ब-र-कत के लिये क्या क्या पढना याहिये , नीज जहू टोने से लिफाजत के लिये क्या करना याहिये, इसी तरह के और भी “अवराद” लिखे हैं. इस शजरे को सिर्फ वोह ही पढ सकते हैं, जो अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ के जरीअे कादिरि रजवी अत्तारी सिब्सिले में मुरीद या तालिब होते हैं. उन के ईलावा किसी और को पढने की ईजाजत नहीं. लिहाजा अपने घर के अेक अेक ईर्द बल्के अगर अेक दिन का बख्या भी हो तो उसे भी सरकारे गौसे आ’उम رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ के सिब्सिले में मुरीद करवा कर कादिरि रजवी अत्तारी बनवा दें. बल्के उम्मत की ખैरખ्वादी के पेशे नजर, जहां आप खुद अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ से मुरीद होना पसन्द इरमाअें वहां ईन्डिरादी कोशिश के जरीअे अपने अजीज व अकरबा और अहले खाना, दोस्त अहबाब व दीगर मुसल्मानों को भी तरगीब दिला कर मुरीद करवा दें.

मुरीद बनने का तरीका

बडोत से ईस्लामी भाई और ईस्लामी बहनें, इस बात का ईजहार करते रहते हैं ! के हम अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْغَالِيَةِ से मुरीद या तालिब होना याहते हैं. मगर तरीकअे कार मा’लूम नहीं, तो अगर आप मुरीद बनना याहते हैं, तो अपना और जिन को मुरीद या तालिब बनवाना याहते हैं उन का नाम, अेक सईहे पर तरतीब वार बमअ वल्लियत व उम्र लिख कर शाही मस्जिद, शाहे आलम दरवाजा के पास, शाहे आलम अहमदआबाद के पते पर रवाना इरमा दें, तो إِن شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ उन्हें भी सिब्सिलअे कादिरिया र-जविया अत्तारिया में दाखिल कर लिया जाअेगा. इस के लिये नाम लखने का तरीका भी समज लें.

म-सलन लडकी हो तो मैमूना बिनते अली अकबर उम्र तकरीबन तीन माह और लडका हो तो मुहम्मद अमीन बिन मुहम्मद अकरम उम्र तकरीबन सात साल, अपना मुकम्मल पता

લિખના હરગિઝ ન ભૂલેં (પતા ઇંગ્રેઝી કે કેપિટલ હુરૂફ મેં લિખેં)

E.Mail: Attar@dawateislami.net

“કાદિરી અતારી” યા “કાદિરિયા અતારિયા” બનવાને કે લિયે

(1) નામ વ પતા બૉલ પેન સે ઔર બિલ્કુલ સાફ લિખેં, ગૈર મશહૂર નામ યા અલ્ફાઝ પર લાઝિમન એ'રાબ લગાએ. અગર તમામ નામોં કે લિયે એક હી પતા કાફી હો તો દૂસરા પતા લિખને કી હાજત નહીં. (2) એડ્રેસ મેં મહરમ યા સરપરસ્ત કા નામ ઝરૂર લિખેં. (3) અલગ અલગ મક્તૂબાત મંગવાને કે લિયે જવાબી લિફાફે સાથ ઝરૂર ઇરસાલ ફરમાએ.

નંબર	નામ	મુદ / ઔરત	બિન / બિન્તે	બાપ કા નામ	ઉમ્મ	મુકમ્મલ એડ્રેસ

www.dawateislami.net

મ-દની મશ્વરા : ઇસ ફોર્મ કો મહફૂઝ કર લેં ઔર ઇસ કી મઝીદ કોપિયા કરવા લેં.

**મજલિસે અલ મદીનતુલ ઇલ્મિયા કી તરફ સે પેશ કર્દા કાબિલે મુતાલઆ કુતુબ
(શો'બએ કુતુબે આ'લા હઝરત رَحْمَةُ اللهِ تَعَالَى عَلَيْهِ)**

- (1) કરન્સી નોટ કે મસાઈલ (કિફલુલ ફકીહિલ ફાહિમ ફી અહકામિ કિરતાસિદરાહિમ) (કુલ સ-ફહાત:199)
- (2) વિલાયત કા આસાન રાસ્તા (તસવ્વુરે શૈખ) (અલ યાકૂતતુલ વાસિતહ) (કુલ સ-ફહાત:60)
- (3) ઈમાન કી પહચાન (હાશિયા તમ્હીદુલ ઈમાન) (કુલ સ-ફહાત:74)
- (4) મુઆશી તરક્કી કા રાઝ (હાશિયા વ તશરીહ તદબીર ફલાહ વ નજાત વ ઇસ્લાહ) (કુલ સ-ફહાત:41)
- (5) શરીઅત વ તરીકત (મકાલુલ ઉરફાએ બિ એ'ઝાઝે શરએ વ ઉ-લમાએ) (કુલ સ-ફહાત:57)
- (6) સુબૂતે હિલાલ કે તરીકે (તુરુકુ ઇસ્બાતે હિલાલ) (કુલ સ-ફહાત:63)
- (7) આ'લા હઝરત સે સુવાલ જવાબ (ઈઝહારુ હક્કિલ જલી) (કુલ સ-ફહાત:100)
- (8) ઈદ્દેન મેં ગલે મિલના કેસા ? (વિશાહુલ જુદ ફી તહલીલે મુઆનકતિલ ઈદ્દ)
- (9) રાહે ખુદા عَزَّوَجَلَّ મેં ખર્ચ કરને કે ફઝાઈલ (રાદુલ કહતિ વલ વબાએ બિદા'વતિલ જરાને વ મુવાસાતિલ ફુકરાએ) (કુલ સ-ફહાત:40)
- (10) વાલિદ્દેન, ઝૌજેન ઔર અસાતિઝા કે હુકૂક (અલ હુકૂક લિ તહિલિલ ઉકૂક) (કુલ

સ-ફહાત:125)

(11) દુઆ કે ફઝાઈલ (અહસનુલ વિઆએ લિ આદાબિદુઆએ મઅહૂ ઝૈલુલ મુદુઆ લિ અહસનુલ વિઆએ) (કુલ સ-ફહાત:140)

શાએઅ હોને વાલી અરબી કુતુબ:

અઝ ઈમામે અહલે સુન્નત મુજદિદે દીનો મિલ્લત મૌલાના અહમદ રઝા ખાન عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن

(12) કિફલુલ ફકીહિલ ફાહિમ (કુલ સ-ફહાત:74)

(13) તમ્હીદુલ ઈમાન (કુલ સ-ફહાત:77)

(14) અલ ઈજઝાતુલ મતીનહ (કુલ સ-ફહાત:62)

(15) ઈકામતુલ કિયામત (કુલ સ-ફહાત:60)

(16) અલ ફઝલુલ મવહિબી (કુલ સ-ફહાત:46)

(17) અજલલ એ'લામ (કુલ સ-ફહાત:70)

(18) અઝ્ઝમઝમતુલ કમરિયા (કુલ સ-ફહાત:93)

(19,20,21) જદુલ મમ્તારે અલા રદિલ મુહ્તારે (અલ મુજલ્લિદ અવ્વલ વ સાની વ સાલિસ)
(કુલ સ-ફહાત:570,672)

(શો'બએ ઇસ્લાહી કુતુબ)

(22) ખૌફે ખુદા ﷻ (કુલ સ-ફહાત:160)

(23) ઈન્ફિરાદી કોશિશ (કુલ સ-ફહાત:200)

(24) તંગદસ્તી કે અસ્બાબ (કુલ સ-ફહાત:33)

(25) ફિકે મદીના (કુલ સ-ફહાત:164)

(26) ઈમ્તિહાન કી તૈયારી કેસે કરે ? (કુલ સ-ફહાત:32)

(27) નમાઝ મેં લુકમે કે મસાઈલ (કુલ સ-ફહાત:39)

(28) જન્નત કી દો ચાબિયાં (કુલ સ-ફહાત:152)

(29) કામ્યાબ ઉસ્તાઝ કૌન (કુલ સ-ફહાત:43)

(30) નિસાબે મ-દની કાફિલા (કુલ સ-ફહાત:196)

(31) કામ્યાબ તાલિબે ઈલ્મ કૌન ?

(32) ફૈઝાને એહ્યાઉલ ઉલૂમ (કુલ સ-ફહાત:325)

(33) મુફ્તીએ દા'વતે ઈસ્લામી (કુલ સ-ફહાત:96)

(34) હક વ બાતિલ કા ફર્ક (કુલ સ-ફહાત:50)

(35) તહકીકાત (કુલ સ-ફહાત:142)

(36) અરબઈને હનફિયા (કુલ સ-ફહાત:112)

(37) અત્તારી જિન કા ગુસ્લે મય્યિત (કુલ સ-ફહાત:24)

(38) તલાક કે આસાન મસાઈલ (કુલ સ-ફહાત:30)

(39) તૌબા કી રિવાયાત વ હિકાયાત (કુલ સ-ફહાત:124)

- (40) કબ્ર ખુલ ગઈ (કુલ સ-ફહાત:48)
- (41) આદાબે મુર્શિદે કામિલ (મુકમ્મલ પાંચ હિસ્સે) (કુલ સ-ફહાત:275)
- (42) ટીવી ઓર મૂવી (કુલ સ-ફહાત:32)
- (43 તા 49) ફતાવા અહલે સુન્નત (સાત હિસ્સે)
- (50) કબ્રિસ્તાન કી ચુકૈલ (કુલ સ-ફહાત:24)
- (51) ગૌસે પાક ﷺ કે હાલાત (કુલ સ-ફહાત:106)
- (52) તઆરુફે અમીરે અહલે સુન્નત (કુલ સ-ફહાત:100)
- (53) રહનુમાએ જદ્વલ બરાએ મ-દની કાફિલા (કુલ સ-ફહાત:255)
- (54) દા'વતે ઈસ્લામી કી જેલ ખાનાજાત મેં ખિદમાત (કુલ સ-ફહાત:24)
- (55) મ-દની કામોં કી તક્સીમ (કુલ સ-ફહાત:68)
- (56) દા'વતે ઈસ્લામી કી મ-દની બહારેં (કુલ સ-ફહાત:220)
- (57) તરબિયતે ઔલાદ (કુલ સ-ફહાત:187)
- (58) આયાતે કુરઆની કે અન્વાર (કુલ સ-ફહાત:62)
- (59) અહાદીસે મુબારકા કે અન્વાર (કુલ સ-ફહાત:66)
- (60) ફેઝાને ચહલ અહાદીસ (કુલ સ-ફહાત:120)
- (61) બદ ગુમાની (કુલ સ-ફહાત:57)
- (62) ગાફિલ દર્જી (કુલ સ-ફહાત:36)
- (63) બદ નસીબ દૂલ્હા (કુલ સ-ફહાત:32)
- (64) ગૂંગા મુબલિગ (કુલ સ-ફહાત:55)

(શો'બએ તરાજિમે ફુતુબ)

- (65) જન્નત મેં લે જાને વાલે આ'માલ (અલ મુતજરુરબિહ ફી સવાબિલ અમલિસ્સાલેહ) (કુલ સ-ફહાત:743)
- (66) શાહરાહે ઔલિયા (મિન્હાજુલ આરિફીન) (કુલ સ-ફહાત:36)
- (67) હુસ્ને અખ્લાક (મકારિમુલ અખ્લાક) (કુલ સ-ફહાત:74)
- (68) રાહે ઈલ્મ (તા'લીમુલ મુતઅલિમ તરીક્તઅલ્લુમ) (કુલ સ-ફહાત:102)
- (69) બેટે કો નસીહત (અય્યુહલ વલદ) (કુલ સ-ફહાત:64)
- (70) અદા'વત અલલ ફિક (કુલ સ-ફહાત:148)
- (71) આંસૂઓં કા દરયા (બહરુદુમૂઅ) (કુલ સ-ફહાત:300)
- (72) જહન્નમ મેં લે જાને વાલે આ'માલ (કુલ સ-ફહાત:847)
- (73) નેકિયોં કી જઝાએં ઓર ગુનાહોં કી સઝાએં (કુલ સ-ફહાત:133)
- (74) મ-દની આકા ﷺ કે રૌશન ફેસલે (કુલ સ-ફહાત:103)

(શો'બએ દર્સી ફુતુબ)

- (75) તા'રીફાતે નહવિયા (કુલ સ-ફહાત:45)

- (76) કિતાબુલ અકાઈદ (કુલ સ-ફહાત:64)
- (77) નુઝ્હતુન્નઝૂર શરહે નુખ્બતુલ ફિક (કુલ સ-ફહાત:175)
- (78) અરબઈને નવવિય્યા (કુલ સ-ફહાત:121)
- (79) નિસાબુતજવીદ (કુલ સ-ફહાત:79)
- (80) ગુલદસ્તએ અકાઈદો આ'માલ (કુલ સ-ફહાત:180)
- (81) વકાયતુન્નહૂવ ફી શરહે હિદાયતુન્નહૂવ
- (82) શરહે માયતુલ આમિલ (કુલ સ-ફહાત:38)
- (83) સર્ફ બહાઈ મઅ હાશિયા સર્ફ બનાઈ (કુલ સ-ફહાત:55)
- (84) અલ મુહાદિસતુલ અરબિય્યા (કુલ સ-ફહાત:101)
- (85) શરહે અરબઈન નવવિય્યા ફિલ અહાદીસુસ્સહીતુન્નબવિય્યા (કુલ સ-ફહાત:155)

(શો'બએ તખરીજ)

- (86) અજાઈબુલ કુરઆન મઅ ગરાઈબુલ કુરઆન (કુલ સ-ફહાત:422)
- (87) જન્નતી ઝેવર (કુલ સ-ફહાત:679) (88 તા 93) બહારે શરીઅત (છે હિસ્સે)
- (94) ઈસ્લામી ઝિન્દગી (કુલ સ-ફહાત:170)
- (95) આઈનએ કિયામત (કુલ સ-ફહાત:108)
- (96) સહાબએ કિરામ رضى الله تعالى عنهم का ईशके रसूल (કુલ સ-ફહાત:274)
- (97) ઉમ્મહાતુલ મુઅમિનીન (કુલ સ-ફહાત:59)
- (98) ઈલ્મે કુરઆન (કુલ સ-ફહાત:244)
- (99) અખ્લાકુસ્સાલિહીન (કુલ સ-ફહાત:78)
- (100) અચ્છે માહૌલ કી બ-ર-કતે (કુલ સ-ફહાત:56)